

MADRAS RECORD OFFICE.

Government of Madras.

Revenue DEPARTMENT.

G.O. No. 877

Press
~~Nis.~~

177-28

Dated 15-6-1870

Not to be folded or roughly handled

No. 177.

Statement:

Elarth in the Ra-
malkotra Talook.

Statement of Remuneration in land or otherwise, proposed to be given to Inamdars in lieu of their Inams, etc.—(Concluded.)

Proceedings of the Madras Government, Revenue Department,
15th June 1870.

NATURE OF COMPENSATION PROPOSED.																		
Nature of the Inam, whether personal or for religious, and State, or charitable service.	Entire Inam.			Portion lost to Inamdar.			A.—Fresh grant of lands.					B.—Reduction of quit-rent proposed in lieu of fresh lands if any quit-rent is payable on the rest of the Inam.		C.—Money-payment.		Remarks.		
	Description.	Area.	Assessment.	Quit-rent, if any.	Net assessment.	Area.	Assessment.	Description.	Area.	Assessment.	Addition of quit-rent, if the value of the land proposed to be given exceeds the value of that lost to the Inamdar.	Net assessment of fresh quit-rent.	Reduction of quit-rent.	Future quit-rent.	Estimated price of Inam lost, calculated from sales of similar land in the neighbourhood.		Money-payment once for all.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
Land become unprofitable from any act of Government.—(Concluded.)																		
Dry.																		
Personal Inam.	Do.	81	6 35	3 2 10	0 12	0 2 6 10	1 5	0 8 5									8 0 4	acres 375, consists of personal, religious, and service Inams, held by other Inam-dars. Of the above extent of acres 8-13, the portion actually taken up for the construction of the road is acres 3-33, (of which acres 1-52 is in the occupation of the ryots of the Jag-hiredar). The remainder, acres 5-11, was required as compensation to the owners of the Service Inams Nos. 63, 69, 59, and 56, there being no Government waste land in the neighbourhood available for the purpose.
Service do.	Do.	81	2 51	2 8 9	0 10	0 1 11 9	0 41	0 7 6									6 9 0	
Mahajid do.	Do.	68	2 42	1 3 4		1 3 4	0 18	0 1 5	64	1 62	1 8 7	4 7 2	0 1 5					
Personal do.	Do.	65	1 30	0 13 9	0 2	0 0 13 9	1 3	0 8 3	Do.	1 3	1 14 3	2 6 0	0 8 3					
Service do.	Do.	59	5 43	2 11 6		2 11 6	0 26	0 2 0		1 23	3 7 1	3 5 1	0 2 0				2 8 0	
Do.	Do.	56	0 27	3 2 2		3 2 2	0 69	0 4 10	Do.	1 23	3 7 1	8 2 3	0 4 10					
Total...			25 31	14 4 7	1 8	0 12 12 7	3 75	2 2 2		5 11	1 5 0	13 4 6	1 0 6				17 1 4	
Inam of Shrotriendard.		96	2 41	1 15 0	0 9	0 1 6 0	0 31	0 1 4									2 11 4	
		80	0 87	2 7 3	0 11	0 1 11 0	0 15	0 6 10									4 4 4	
		79	1 37	1 7 2	0 6	0 1 0 5	0 11	0 2 5									1 8 2	
		71	2 80	8 1 1	1 3	5 8 11 5	0 13	0 5 10									3 10 4	
		53	2 78	7 12 9	2 4	6 5 8 4	0 76	2 2 1									51 4 10	
Total...			10 35	21 11 8	6 5	3 15 6 0	1 52	3 5 6										
		97	11 73	12 5 9	3 9	8 12 1	0 25	0 4 3										
		98	1 56	1 13 11	0 5	10 0 14 1	1 56	1 3 11										
		61	5 11	14 5 0	4 2	10 10 2 2	5 11	14 5 0										
Total...			13 42	27 11 8	8 2	4 19 13 4	6 92	15 13 2										

Boyanapalli Jaghire Village.

Proceedings of the Madras Government, Revenue Department,
15th June 1870.

Total...	25	77	49	9	11	14	7	7	35	2	4	8	44	19	2	8																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																													</
----------	----	----	----	---	----	----	---	---	----	---	---	---	----	----	---	---	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	---------

*Proceedings of the Madras Government, Revenue Department,
15th June 1870.*

SUBMITTED for the sanction of Government.

2. The land entered in column 8 of the statement comprises acres 10-97, assessed at Rupees 11-15-11, taken up for the road, and acres 5-11, assessed at Rupees 14-5-0, required as remuneration in lieu of certain Religious and Service Inams; in all acres 16-08, assessed at Rupees 26-4-11, for which it is proposed to grant compensation in the following manner:—

I.—For acres 5-51, assessed at Rupees 5-12-11, a fresh assignment of acres 29-21, assessed at Rupees 21-13-0, subject to an additional quit-rent of Rupees 16-0-1.

II.—For acres 8-49, assessed at Rupees 19-3-1, an equivalent reduction of quit-rent.

III.—For acres 2-08, assessed at Rupees 1-4-11, money-compensation once for all, amounting to Rupees 26-2-4, being twenty-years' assessment. The Collector has calculated it at Rupees 20-1-8, being twenty times the difference between the quit-rent and assessment; but this seems to be an oversight.

IV. Money-compensation for the right of occupancy, Rupees 33-7-0, equivalent to ten times the assessment.

3. The Board sanction the payment of Rupees 59-9-4 (Items Nos. 3 and 4) from the reserve of the District Road Fund.

No. 173. ORDER THEREON, 15th June 1870. No. 173.

Miscellaneous.

SANCTIONED.

(True Extract.)

(Signed) R. S. ELLIS,
Chief Secretary.

To the Board of Revenue.
,, the Accountant-General.

45
N-877.
S.O.L. Sanctioned

15 June 1870.

14 P.O. of Recd. 30.17 June.
b Accountant Genl.

45
54

Cost. of 1870: ~~£1870~~ £1870.

REVENUE.

To

THE BOARD OF REVENUE.

Secy, Secy, Secy

Dated June, 15th.

Recd.

Encl.

G. O., 15th June 1870, No. 877.

JUNE.

Nos. 177-178.

Compensation.—Its grant for certain Inam
lands in Kurnool District taken up for a road
sanctioned.